BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करूणा
ESTABLISHED 1996

संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ



भारतीय संविधान विश्व के सबसे विशिष्ट एवं अद्वितीय संविधानों में से एक है। यह केवल शासन संचालन का विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक चेतना, सामाजिक प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब है। सामाजिक समरसता, व्यक्तिगत गरिमा एवं स्वतंत्रता, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य तथा राज्य के नीति-निदेशक तत्वों का समावेश हमारे संविधान को विशिष्ट, व्यापक और जनकल्याणकारी बनाता है।

26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकृत किया जाना हमारे राष्ट्रीय इतिहास की एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक उपलब्धि है। **भारतीय संविधान के निर्माण में भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संविधान को एक ऐसी सुदृढ़ वैचारिक एवं लोकतांत्रिक आधारशिला प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्शों पर आधारित है।** संविधान में निहित मूल आदर्श हमें एक ऐसे समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और प्रगति के लिए अनुकूल वातावरण प्राप्त हो।

आज हम आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर नए लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त कर रहे हैं। इस राष्ट्रीय यात्रा में शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारा विश्वविद्यालय भी ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान और मूल्यपरक शिक्षा के माध्यम से एक सशक्त, समरस, समावेशी एवं विकसित समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर मेरा आप सभी से आग्रह है कि हम संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ करें तथा अपने मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों के प्रति भी सजग एवं उत्तरदायी रहते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लें।

आप सभी को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(आचार्य राज कुमार मित्तल)
कुलपति
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।